PDGCIS-83-4-2018-3-2019
175-2019(DSK-III)

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

रेल, नदी, और वायु मार्ग से माल का अंतर्राज्य संचलन/ बहाव

INTER-STATE MOVEMENTS/FLOWS OF GOODS BY RAIL, RIVER AND AIR

2018-19

वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, कोलकाता

DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS
KOLKATA

© वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी
महानिदेशालय
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार
565, आन्नदपुर , वार्ड सं. 108, सेक्टर-।
प्लॉट सं. 22, कोलकाता-700107,
भारत द्वारा प्रतिलिप्याधिकार आरक्षित ।

© Copyright reserved by
Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics
Ministry of Commerce and Industry
Government of India
565, Anandapur, Word No. 108, Plot – 22, Kolkata – 700107, India

समस्त अधिकार आरक्षित, इस प्रकाशन का कोई भी भाग, वाणिज्यिक प्रयोग के उद्देश्यों के अलावा छोटे अंशों के सिवाय, महानिदेशक, वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी से पूर्व अनुमति बिना छाया प्रतिलिप्यांकन, अभिलेखन या सूचना भंडारण तथा पुन: स्थापना पद्धति सहित इलेक्ट्रांनिक अथवा यंत्रकीय विधि द्वारा किसी भी रुप या प्रकार से विक्रयार्थ पुनर्प्रकाशित नहीं किया जा सकता है ।

All rights reserved. No part of this publication, except small portions for purpose other than Commercial use, can be reproduced for sale in any form or by any means, electronic or mechanical including photo copying, recording or by any information storage and retrieval system, with prior permission in writing from the Director General of Commercial Intelligence and Statistics.

भूमिका

एक सशक्त एवं संपुष्ट सांख्यिकी ढॉचा प्रबुद्ध अर्थव्यवस्था का मूलाधार होता है । इस विचारधारा की पूर्ति हेतु वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (वा.जा.सां.म.नि.) अन्तर्देशीय व्यापार सांख्यिकी पर वार्षिक आधार पर विभिन्न रिपोर्ट प्रकाशित करता रहा है । यह प्रकाशन 'रेल, नदी और वायु मार्ग से वस्तुओं का अन्तर्राज्य संचलन/प्रवाह' आन्तरिक व्यापार क्षेत्र में ज्ञान अन्तराल का भरण करने वाला ऐसा ही एक प्रकाशन है । वस्तु एवं सेवाकर के कार्यान्वयन से "एक देश एक बाजार" का स्वप्न साकार हो रहा है । जैसा कि यह विगत एक सौ वर्षो से होता रहा है इस अनूठे प्रकाशन में बाजार के एक भाग से दूसरे भाग में वस्तुओं के संचलन का प्रग्रहण किया जा रहा है । परन्तु विगत दिनों यह उतना महत्वपूर्ण नहीं था जितना की आज है । समर्पित भाड़ा गलियारा, सागर माला परियोजना तथा जलमार्ग विकास परियोजना जैसी परियोजनाओं के पूर्ण होने के साथ भारत में अन्तर्देशीय व्यापार में बहुगुणी वृद्धि होगी । यह प्रकाशन रेल, नदी तथा वायुमार्ग से आन्तरिक व्यापार वृद्धि की जटिल गतिशीलता का प्रग्रहण करेगा और यह आशा की जाती है कि जैसा कि विगत एक सौ वर्षो से होता आया है इस क्षेत्र के इच्छुक विश्लेषण करने वाले समस्त नीति नियामकों तथा शोध छात्रों के लिये यह आवश्यक मार्गदर्शिका होगी ।

इस वर्ष अपरिष्कृत आंकड़ों के संग्रहण में एक प्रमुख परिवर्तन हुआ है । पूर्व में प्रयुक्त आंकड़े विभिन्न रेलवे जोनों से प्राप्त किये जाते थे परन्तु इस वर्ष से आगे आंकड़े रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (सी आर आई एस) से और अधिक प्रणालीगत तथा केन्द्रीकृत तरीके से प्राप्त किये जा रहे हैं । नदी मार्ग द्वारा संचलित वस्तुओं के आंकड़े भी भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आई डब्ल्यू ए आई) से प्राप्त किये जा रहे हैं । इससे आंकड़ा व्याप्ति के साथ-साथ आंकड़ों की सटीकता की वृद्धि में सहायता मिली है । आगे, इस वर्ष पण्यों को पूर्व 2 अंकीय वर्गीकरण से बढ़कर भा.व्या.व.सु.प्र. 4 अंकीय वर्गीकरण में वर्गीकृत किया गया ।

अत: पूरी निष्ठा से यह आशा की जाती है कि प्रतिवर्ष प्रकाशन के सुधार में हमारा अनवरत अध्यवसाय हमारे प्रयोक्ताओं हेतु अत्यन्त लाभदायक होगा । इस वर्ष व्यापार खण्डों की अवधारणा को राज्यों की अवधारणा के अनुसार अद्यतन किया गया है तथा व्यापार खण्डों से सम्बन्धित समस्त सारणियां एवं चार्ट व्यापार खण्ड के बदले राज्यों के साथ प्रस्तुत किये गये हैं । आगामी प्रकाशनों में सुधार हेतु टिप्पणियों तथा सुझवों का स्वागत है ।

एस. कृष्णमूर्ति
महानिदेशक
वा.जा.सां.म.नि.

वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
भारत सरकार
565 आनन्दपुर
कोलकाता - 700107
04 नवम्बर, 2019

Preface

A strong and robust statistical framework is the fundamental basis of a knowledge economy. To fulfill this idea, the Directorate General of Commercial Intelligence & Statistics (DGCIS) has been publishing various reports on inland trade statistics on an annual basis. This publication, the 'Inter-state Movements/Flows of Goods by Rail, River and Air', is one such publication that taps into the knowledge gap in the area of Internal Trade. With the implementation of GST, the vision of *One Nation One Market* is being realized. And the movement of goods from one part of this 'Market' to another part is being captured in this unique publication, as it has been for over hundred years. But it has never been as important in the past as it is now. With the completion of projects like the Dedicated Freight Corridor, the Sagar Mala Project and the Jal Marg Vikas project, internal trade in India will increase multi-fold. This publication will capture the complex dynamics of increasing Internal Trade through Rail, River and Air and it is hoped that it will be an essential guide to all policy makers and research fellows who intend to analyze this arena, as it has always been for that past hundred years.

This year there has been a major change in the collection of the raw data. Earlier, the data used to be received from various Railway Zones, but from this year onwards the data is being received in a more systematic and centralized manner from the Centre for Railway Information Systems (CRIS). Also, the data on the movement of goods through Riverways is being received from the Inland Waterways Authority of India (IWAI). This has helped in enhancing the data coverage as well as accuracy of the statistics. Further, this year the commodities have been classified in the 4-digit ITCHS classification, a step ahead of the earlier 2-digit classification.

It is, therefore, sincerely hoped that our continued perseverance in improving this publication every year will prove immensely beneficial to our users. Comments and suggestions for improvement of forthcoming issues are welcome.

S. KRISHNAMURTHY,
Director General,
DGCIS

Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics
Ministry of Commerce and Industry
Government of India
565, Anandapur,
Kolkata-700 107

4th November, 2019

प्रस्तावना

प्रकाशन का क्षेत्र : इस पुस्तक में प्रकाशित आंकड़े (i) विभिन्न राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों के मध्य अन्तर्देशीय रेल एवं नदी द्वारा संचलित होने वाले चयनित पण्यों के प्रमात्रा आंकड़ें तथा (ii) एक वायुपत्तन से दूसरे वायुपत्तन तथा देश के भीतर राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों द्वारा भी संचलित होने वाले सकल भार में वस्तुओं से सम्बंधित है । इस संस्करण में वस्तुओं के देश के भीतर तथा साथ ही साथ भारत के राज्य क्षेत्रीय समुद्रों के मध्य वस्तुओं के अन्तर्राज्यीय संचलन के आंकड़े भी निहित है ।

सांख्यिकी का स्रोत : इस प्रकाशन में सांख्यिकी हेतु मूलभूत प्रलेख चयनित पण्यों का भारत में प्रत्येक रेलवे स्टेशन से परेषण से सम्बंधित बीजक हैं । वस्तुओं के प्रेषण के वक्त सीआरआईएस द्वारा आंकड़े उनकी भाड़ा प्रचालन सूचना प्रणाली (एफओआईएस) नामक प्रणाली के माध्यम प्राप्त किये जाते हैं तथा अखिल भारतीय स्तर पर समेकित किये जाते हैं और तब उसे वा.जा.सां.म.नि. को दिया जाता है ।

जलमार्गों से वस्तुओं के संचलन के मामले में आंकड़े भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आई डब्ल्यू ए आई) के साथ राष्ट्रीय जलमार्गों के माध्यम परेषण परिवहन करने वाले विभिन्न अभिकरणों द्वारा प्रस्तुत की गयी विवरणियों से संग्रहित किये जाते हैं । यह ध्यान रखा जाय कि डायमण्ड हार्वर, समीपस्थ पत्तन के पास पश्चिम बंगाल के सागर जैसे ज्वारीय समुद्र में अस्थायी जेट्टी/लंगरों से वस्तुओं के संचलन में महत्वपूर्ण यातायात है। ए डब्ल्यू ए आई द्वारा इन संचलनों का प्रग्रहण किया जाता है तथा वा.जा.सां.म.नि. को बताया जाता है तथा चूंकि संचलन भारत के राज्यक्षेत्रीय समुद्रों में हैं, इस प्रकाशन में सम्मिलित किया जाता है ।

वायु कार्गो के मामले में एयर इंडिया, जेट एयरवेज, जेट लाईट, गो एयरलाईन्स, ब्लू डार्ट ऐविएशन लि., स्पाईस जेट एवं इंडिगो स्रोत हैं जो परेषक अथवा परेषिती से एयरवे बिलों को संग्रहित करते हैं तथा वायु पत्तनवार कार्गो का संचलन संकलित करते हैं ।

प्रमात्रा एवं अभिधान : चूँकि रेलवे, अन्तर्देशीय स्टीमर तथा वायु बीजकों में मूल्य आंकड़ें उपलब्ध नहीं हैं, इनके लिये आंकड़ें मात्र प्रमात्रा से सम्बन्धित हैं । प्रमात्राओं को रेलवे, स्टीमर एवं वायु बीजकों में अभिलेखित सकल भार में अभिव्यक्त किया गया है । इस प्रकाशन की सारणी-। में मैट्रिक प्रणाली को अपनाया गया है । रेल तथा नदी के मामले में भार की ईकाई "क्विंटल" तथा वायु के मामले में "किलोग्राम" में है ।

व्याप्त पण्य : प्रतिवेदन के उद्देश्यार्थ सत्तर (70) पण्य चयनित किये गये हैं । वे भारत में रेल तथा नदी द्वारा परेषणीय सौदागरी वस्तुओं के प्रमुख भाग का प्रतिनिधित्व करते है और सामान्यत: अन्तर्देशीय व्यापार के महत्वपूर्ण पण्य हैं । इन पण्यों को रेल तथा नदी द्वारा 70 समूहों में संचलित समस्त मदों के समूहन से निर्मित किया गया है तथा प्रमुख पण्य के रूप में नामित किया गया है । वायु के मामलें में पण्यवार विवरण को भी पृथक रूप से नहीं दर्शाया गया है क्योंकि एयरलाईन्स उसे प्रदान नहीं करते हैं । रेल द्वारा समानों के संचलन को भी अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार वर्गीकरण (सुसंगत प्रणाली), संशोधन, 2017 के 99 अध्यायों के अनुसार वर्गीकृत किया गया है।

प्रकाशन की विषय वस्तु : इस प्रकाशन में वर्ष 2018-19 हेतु रेल, वायु तथा नदी हेतु अन्तर्देशीय आंकड़ों को नौ सारणियों तथा तीन चार्टो में प्रस्तुत किया गया है । सारणी -। वस्तु के प्रत्येक राज्य का एक दूसरे के साथ तथा साथ ही साथ अंत:राज्य संचलन के पण्यवार विवरण को दर्शाती है । सारणी-।। प्रत्येक राज्य तथा संघ शासित क्षेत्र के अन्तर्गामी तथा बहिर्गामी रेल जनित व्यापार को प्रदर्शित करती है । सारणी-।।। देश के भीतर एक वायुपत्तन से

दूसरे वायुपत्तन पर वायुमार्ग द्वारा संचलित होने वाले कार्गो के सकल भार को निहित करती है । सारणी - IV राज्यवार वायुकार्गो के संचलन को दर्शाती है । सारणी -V वस्तुओं के नदी मार्ग द्वारा अंत:राज्य संचलन सहित प्रत्येक राज्य का एक दूसरे के साथ पण्यवार व्यापार प्रदर्शित करती है जबकि सारणी - V (अ) उसी संचलन को 4 अंकीय भा.व्या.व.सु.प्र. वर्गीकरण का प्रयोग कर दर्शाती है । सारणी - VI वस्तु के भा.व्या.व.सु.प्र. वार अंतर्राज्य तथा अंत:राज्य संचलन को प्रदर्शित करती है । सारणी VII - प्रत्येक राज्य तथा संघ शासित प्रदेशों हेतु रेलमार्ग द्वारा वस्तुओं के अंतर्गामी तथा बाहिर्गामी संचलन को इंगित करती है । सारणी - VIII 4 अंकीय भा.व्या.व.सु.प्र. का प्रयोग कर वस्तु के प्रत्येक राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र के रेल जनित अन्तर्गामी तथा बहिर्गामी व्यापार को इंगित करती है ।

चार्ट-I राज्यों एवं संघ क्षेत्रों द्वारा वस्तुओं के अन्तर्गामी, बहिर्गामी एवं आंतरिक संचलन को चित्रित करता है जबिक चार्ट-।। रेल द्वारा वस्तुओं के संचलन के शीर्ष 10 पण्यों की हिस्सेदारी प्रतिशतता -भा.व्या.व.सु.प्र. अध्यायवार - दोनों को चित्रित करता है । चार्ट-।।। वायु द्वारा वस्तु के राज्यवार अंतर्गामी, बहिर्गामी तथा आंतरिक संचलन को प्रदर्शित करता है ।

INTRODUCTION

Scope of the publication: The data published in this volume relate to (i) Quantity figures of selected commodities moving by inland rail and river amongst different States and Union Territories and (ii) Cargo in gross weight moving by air from airport to airport and also to States and Union Territories within the country. This edition also contains the **Intra-State movement** of goods within India as well as movements in the territorial waters of India.

Sources of the Statistics: The basic documents for the statistics in this publication are the invoices relating to consignments of selected commodities dispatched from each railway station in India. While dispatching the goods, the data is captured by CRIS through their system called Freight Operations Information System (FOIS) and is consolidated at an all-India level which is then shared with DGCIS.

In case of movement of goods through Waterways, the data is collected from the returns filed by various agencies carrying consignments through the National Waterways with the Inland Waterways Authority of India (IWAI). It may be noted that there is significant traffic in movement of cargo from temporary jetties/anchorages in high seas, such as Diamond Harbour, Sagar in West Bengal to the nearest ports. These movements have been captured by the IWAI and shared with DGCIS and has also included in this publication since the movements have been within the territorial waters of India.

In case of air cargo the sources are the Air India, Jet Airways, Jet Lite, Go Airlines, Blue Dart Aviation Ltd., SpiceJet and Indigo, who collect airway bills from consignor or consignee and compile airport-wise cargo movements.

Quantities and Denomination: The figures in these accounts relate only to quantity, as value figures are not available on railway, riverway and airway invoices. The quantities are expressed in gross weight recorded in the railway, riverway and airway invoices. The metric system is adopted in the Table I of this publication. The unit of weight is in 'Tonne' in case of Rail & River and in 'Kilogramme' in case of Air.

Commodities covered: Seventy (70) commodities have been selected for reporting purposes. They represent the major portion of merchandise consignable by rail and river within India and are generally the important commodities of inland trade. These commodities have been formed by grouping all the items that have been moved through Rail and River into 70 groups and have been designated as the **'major'** commodities. In case of air, commodity-wise break ups are not shown separately as Airlines do not capture the same. The movement of goods by Rail has also been classified according to the 99 Chapters of International Trade Classification (Harmonized System) Revision 2017.

Content of the publication: The inland trade data are presented in this publication in nine tables and three charts for the year 2018-19 for rail, air and river. Table I indicates commodity-wise movement of goods from each State to another as well as Intra-State movements. Table II gives the major commodity-wise inward and outward Rail-borne trade of each State & Union Territory. Table III contains gross weight of cargo moving by air from airport to airport within the country. Table IV shows state wise movement of air cargo. Table-V indicates major commodity-wise trade of each State with another State by river, including the Intra-State movements of goods while Table V (A) indicates the same using the 4-digit ITCHS classification. Table VI indicates the 4-digit ITCHS wise Inter-State and Intra-State movement of goods. Table VII indicates the Inward and Outward movement of goods by Railways for each State and Union Territory. Table VIII gives the inward

and outward Rail-borne trade of each State & Union Territory using the 4-digit ITCHS classification.

Chart I depicts the Inward, Outward and Internal Movement of Goods by States and UTs while Chart II depicts Percentage Share of top 10 commodities - ITCHS Chapter wise – both for movement of goods by Rail. Chart III shows the Inward, Outward and Internal movements of goods – State-wise by Air.

टिप्पणी

- रेलवे द्वारा निम्नलिखित पण्य शीर्षो के अन्तर्राज्य संचलन के आंकड़ें निरंक हैं :-

  (i) तिलहन -कपास, (ii) कच्चा कपास - प्रेस्ड, (iii) कच्चा कपास (खुदरा) (iv) कच्चा पटसन, (v) गन्ना (vi) पशु-पशुधन, (vii)झाड़ू, (viii) चाय, (ix) मूंगफली तेल, (x) अरंडी तेल, (xi) अन्य वस्त्र (xii) चमड़ा एवं चमड़ा उत्पाद, (xiii) रबड़ एवं रबड़ उत्पाद, (xiv) जटा उत्पाद, (xv) सीमेंट विर्निमान, (xvi) मशीनरी तथा मशीनरी यंत्र (xvii) अल्कोहल (xviii) एसिड (xix) गैसें तथा (xx) जल ।

- इस वर्ष रेल द्वारा वस्तुओं के अन्तर्राज्य संचलन के आंकड़े 4 अंकीय भा.व्या.व.सु.प्र. वर्गीकरण के अनुसार प्रदान किये गये है । अत: अध्याय 99 की वही सारणियां दी गयी हैं जहॉ आंकड़े निरंक नहीं है ।
- यह ध्यान रखा जाय कि पण्यों का वर्गीकरण 4 अंकीय भा.व्या.व.सु.प्र. कोडों के अनुसार करने का एक प्रयास किया गया है । पण्यों के वर्गीकरण के दौरान मुख्य समस्या का सामना था वस्तुओं के विवरण का अपरिस्कृत आंकड़ों में होना जिसे एकल भा.व्या.व.सु.प्र. कोड में वर्गीकृत नहीं किया जा सका । परिणामत:, पण्यों के वर्गीकरण हेतु निम्नलिखित सिद्धांत अपनाया गया : जहां पर भी अपरिस्कृत आंकड़ों में वर्णित वस्तुओं को 4 अंकीय भा.व्या.व.सु.प्र.कोड में वर्गीकृत नहीं किया जा सका, पण्य के सर्वाधिक प्राथमिक रूप हेतु भा.व्या.व.सु.प्र.कोड का प्रयोग किया गया । इस वर्गीकरण के परिणामत: संचलित वस्तुओं का मूल्य प्राय: रूढ़िवादी प्राक्कलन रहेगा परन्तु किसी भी स्थिति में यह अधिप्राक्कलन नहीं होगा ।

Note

- The data on the Inter State Movements of the following commodity heads by Rail are nil:-

  (i) Oil Seeds-Cotton, (ii) Raw cotton – Pressed, (iii) Raw Cotton - Loose, (iv) Jute Raw (v) Sugar Cane, (vi) Animals – Live stock, (vii) Brooms, (viii) Tea, (ix) Groundnut Oil, (x) Castor Oil, (xi) Other Textiles (xii) Leather & Leather Products, (xiii) Rubber & Rubber Products,(xiv) Coir Products, (xv) Cement Manufactures (xvi) Machinery and Machine Tools (xvii) Alcohols, (xviii) Acid, (xix) Gases and (xx) Water.

- This year the data on Inter State Movement of goods by Rail have been provided as per the 4-digit ITCHS Classification. Hence, only those tables of 99 chapters are provided where the data is not NIL.

- It may be noted that an attempt has been made to classify the commodities according to the 4-digit ITCHS Codes. During classification of the commodities the main problem that was encountered was that there were descriptions of goods in the raw data which could not be classified into a single ITCHS Code. As a result, the following principle was adopted to classify the commodities: ***Wherever the goods described in the raw data could not be classified into a single 4-digit ITCHS Code, the ITCHS code for the most primary form of the commodity was used.*** As a result of this classification, the value of the goods moved would always be a conservative estimate, but in no case it can be an overestimate.

BACK